

**Production of Carbon Black**

+

{ Shri E. C. Majhi:  
\*1276. { Shri S. C. Samanta:  
{ Shri Subodh Hansda:

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether the report of the Rumanian experts for the production of different grades of carbon black in India has been finally considered;

(b) if so, what decision has been taken;

(c) whether the market demand has been investigated; and

(d) when the work will commence?

**The Minister of Industry (Shri Manubhai Shah):** (a) to (d). On examination of the preliminary report submitted by the Rumanian experts revised estimates have been called for with a view to consider how far the project can be economic. These are still awaited. The original estimates were too high and were therefore rejected. Estimated demand is 12,000 tons per annum at present.

**Shri Shivnanjappa:** May I know whether it includes the manufacture of cinema carbon also?

**Shri Manubhai Shah:** It will also include reinforced carbon block, to some extent, the low grade cinema carbon and also the channel black, and all the black required for the tyres and the tubes.

**हिमाचल प्रदेश में भूमि का वितरण**

\*१२७१. श्री पद्म बेब : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जमींदारी उन्मूलन एक्ट के अन्तर्गत निर्धारित अधिकतम सीमा के परिणामस्वरूप बची हुई भूमि बांट दी गई है ;

(ख) यदि हां, तो किस आधार पर; और

(ग) यदि नहीं, तो इस के क्या कारण हैं ?

भूमि और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री ए० ना० मिश्र) (क) से (ग). सुप्रीम कोर्ट में एक्ट की वधता को चुनौती देनेकी प्रार्थियां दाखिल की गई हैं। और सुप्रीम कोर्ट ने इस सम्बन्धमें सरकार को जमींदारों की सम्पत्ति लेने की कोई कार्रवाई न करने का आदेश दिया है। इसलिए हिमाचल प्रदेश एक्ट के अन्तर्गत निर्धारित सीमा से अधिक किसी भी जमींदारी या क्षेत्र को अभी तक नहीं लिया गया है।

[(a) to (c). Writ petitions challenging the validity of the Act have been filed in the Supreme Court which has passed stay orders restraining the Administration from taking possession of the properties of the landlords. No estates or areas in excess of the ceiling fixed under the Himachal Pradesh Act have, therefore, been taken over so far.]

श्री पद्म बेब : क्या यह दुरुस्त है कि इस एक्ट के परिणत होने के पश्चात् बहुत सारे कार्तकार बजाय भूमि मिलने के भूमि से निष्काशित किये गये हैं और वे भूमिहीन हो गये हैं?

श्री ए० ना० मिश्र : मुझे तो ऐसी कोई सूचना नहीं है।

**Shri Sadhan Gupta:** May I know what amount of land is covered by the writ petitions filed in the Supreme Court, and whether all the landlords have filed or only some have filed writ petitions?

**Shri L. N. Mishra:** The validity of the whole Act has been challenged, and there are stay orders against all actions.

श्री बाजपेयी : भूमि का पुनर्वितरण करते समय क्या उन कृषकों का भी ध्यान रखा जायगा जिनके कि खेत जमींदारों ने छीन लिये हैं ?

श्री ल० ना० मिश्र : यह तो मिद्वान्त की बात है। हर एक सूबा अपने अपने तरीके का विधेयक बनायेगा और उसके अनुसार प्रमल किया जायगा।

श्री बाजपेयी : मेरा निवेदन है कि इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार की क्या नीति है क्योंकि हिमाचल प्रदेश तो केन्द्र के प्राचीन है?

श्री ल० ना० मिश्र : यदि माननीय सदस्य इस विधेयक को देखने की कृपा करेंगे तो वे समझ जायेंगे कि हम किस तरह से उस सरप्लस जमीन को बांटना चाहते हैं।

**Shri Yadav Narain Jadhav:** May I know for how long the writ petitions are pending in the Supreme Court?

**Shri L. N. Mishra:** They have been pending since 1958.

श्री पद्म देव : इस अधिनियम के पारित होने के पश्चात् कितने काश्तकार भूमि से बेदखल किये गये हैं, कितने भूमिहीन किये गये हैं?

श्री ल० ना० मिश्र : मुझे इस की सूचना नहीं है।

श्री वी० चं० शर्मा : क्या माननीय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस एक्ट की वजह से कितनी भूमि सरप्लस बन गई है?

श्री ल० ना० मिश्र : उसके घांकड़े अभी तक इकट्ठा नहीं किये हैं क्योंकि कानून बना और वह सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज हो गया है इसलिये यह घांकड़े इकट्ठा नहीं किये जा सके हैं।

श्री रामसिंह : क्या श्रीमान यह बतलाने की कृपा करेंगे कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टे ऑर्डर देने के पहले कितनी जमीन

जमींदारों ने किसानों से छीन कर घन कब्जे में कर ली है और जिनको इस तरह बेदखल किया गया है क्या उनको उनको जमीनें वापिस दिववायो जायेंगे ?

श्री ल० ना० मिश्र : इसके घांकड़े मेरे पास नहीं हैं कि कितनी जमीन किसानों से इस तरह जमींदारों ने छीन ली है और जहां तक उन बेदखल हुए किसानों को जमीनें वापिस देने का सवाल है यह भी बताया कठिन है क्योंकि जैसे मैं ने बताया ऐक्ट चैलेंज हांगया है और दूसरे यह हर एक सूबे के ऊपर है कि वह किस सिद्धान्त पर अपना ऐक्ट बनाता है और उस पर प्रमल करता है।

**Shri Sadhan Gupta:** May I know whether Government have submitted their reply to the writ petitions filed in the Supreme Court, and if so, what other steps are being taken to have the matter expedited?

**The Deputy Minister of Planning (Shri S. N. Mishra):** What is the question of the hon. Member?

**Mr. Deputy-Speaker:** He wants to know whether Government have filed their reply or not. That is the only part of the question that can be answered. Other steps cannot be there so long as the case is before the Supreme Court.

**Shri L. N. Mishra:** We have replied already.

**Shri Sadhan Gupta:** There can be an application for expediting it.

**Mr. Deputy-Speaker:** The hon. Member's question is whether the reply on behalf of Government has been filed, and when it was filed.

**Shri L. N. Mishra:** The hon. Member might be aware of the whole story. The first stay order was issued. . .

**Mr. Deputy-Speaker:** The only question is whether the reply has been filed.

**Shri Sadhan Gupta:** Government can mention it and have the matter expedited.

**Shri L. N. Mishra:** The reply has been filed.

**श्री पद्म देव :** माननीय मंत्री को यह बात मालूम है कि सन् १९५४ में यह ऐक्ट पास हो गया था और तब से अभी तक सिवाय इसके कि जागीरदारों को एक चेतावनी दी गई है वे काश्तकारों को बेदखल न करे और कुछ नहीं किया गया और उस चेतावनी का भी कोई खास फायदा या असर पड़ना ही ऐसा नहीं मालूम पड़ता क्योंकि काफी काश्तकार उसके बाद से बेदखल किये गये हैं?

**श्री ल० ना० मिश्र :** यह कानून ही अमल में नहीं लाया जा सका है क्योंकि बनते ही वह चैलेंज हो गया है।

**श्री पद्म देव :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक .

**Mr. Deputy-Speaker:** This cannot be answered, when the whole thing is before the Supreme Court. The Act itself has been challenged. So, what should Government do?

**श्री पद्म देव :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक बात जानना चाहता हूँ। मंत्री महोदय को शायद यह मालूम नहीं है . . .

**उपाध्यक्ष महोदय :** अब जो बात उन्हें मालूम नहीं है उसको वह क्या बना सकते हैं और फिर आप उसको जानते भी हैं।

**श्री पद्म देव :** उपाध्यक्ष महोदय, मुझे केवल एक बात . . . . .

**Mr. Deputy-Speaker:** Order, order. Next question.

**Selected Works of Maulana Azad**

\*1274. **Shri A. M. Tariq:** Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to publish selected works of Maulana Abul Kalam Azad in the near future;

(b) if so, what are they; and

(c) when it is proposed to bring them out?

**The Parliamentary Secretary to the Minister of Information and Broadcasting (Shri A. C. Joshi):** (a) to (c) There is no proposal in hand at present.

**श्री अ० मु० तारिक :** मैं वजीर इत्तला-अत व नशरियात से जानना चाहता हूँ कि क्या यह हकीकत है कि मौलाना साहब की वफात से लेकर अब तक जितने एडवर-टाइजमेंट पबलिकेशन डिवीजन के शायी हुए हैं, उनमें मौलाना साहब का कोई जिक्र नहीं होता? इसकी क्या वजह है, जब कि उनके पबलिकेशन्स मौजूद हैं और उन्होंने छापे हैं?

[شى ع - م - ط ا ذ ق : مهن وزير اطلاعات و نشریات سے جاننا چاہتا ہوں کہ کیا یہ حقیقت ہے کہ مولانا صاحب کی وفات سے لے کر اب تک جتنے انڈورنٹائزمنٹ پبلیکیشن ڈویژن کے شائع ہوئے ہیں ان میں مولانا صاحب کا کوئی ذکر نہیں ہوتا - اس کی کیا وجہ ہے - جب کہ ان کے پبلیکیشنس پر جود ہیں اور انہوں نے چھاپے ہیں -]

**डा० किसकर :** मैं एकदम तो नहीं बता सकता कि इस्तहारात में उनका नाम क्यों नहीं आता, हो सकता है कि उनको जो किताब छपी हो वह आउट ऑफ प्रिंट हो गयी हो। हमारे यहां तो उनकी दो किताबें छपी हैं। मैं इस बारे में तहकीकात करूंगा।

**Shri A. M. Tariq:** I am sorry to say that it is not a fact that the books are not available. Books are available. . . .

**Mr. Deputy-Speaker:** He may ask a question.

**Shri A. M. Tariq:** I would like to know whether it is the policy of the Ministry or the management of the Publications Division not to mention Maulana Azad's name when they have got those books in hand.